701
10/12/12

खण्ड-8 संख्या-15

दशम
बिहार विधान-सभा

बिहार विधान-सभा वादवृत्त
(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)
वृहस्पतिवार तिथि 16 जुलाई, 1992 ई०।

सत्यमेव जयते

कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनाएँ

श्री खगेन्द्र प्रसादः- अध्यक्ष महोदय, 1992-93 एवं 1993-94 के लिये पथ निर्माण विभाग के विभिन्न प्रमंडलों में वल्क विटूमन की ढुलाई हेतु ट्रानसपोर्टरों के पैनल के निर्धारण में भारी अनियमितता की गयी है। सरकार के सभी मान्य मापदण्ड की तोड़ करी मनमाने ढंग से पैन का निधरिण किया गया है।

श्री लाल बाबू प्रसाद :- अध्यक्ष महोदय, मैं एक प्वायंट आज इंफोरमेश्न देना चाहता हूँ कि पूर्वी चम्पारण के ढाका प्रमंडल के जमुआ गांव में भाजपा के तिवारी नाम के कार्यकर्ता वहां के अन्य लोगों के साथ ताजिया को उठने नहीं दे रहे हैं स्थिति तनावपूर्ण है। सरकार वहां माइनोरिटी की रक्षा करे।

कार्य स्थगन प्रस्ताव की सूचना :

श्री महेन्द्र प्रसाद सिंह :-अध्यक्ष महोदय, मैरवा गिने के इलाके में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 14 जुलाई को एक आम सभा होने जा रही थी। आम सभा में जाने वाली जनता पर पीतरहट्टा गॉव में गुंडों ने हमला किया इसकी सूचना कार्यकर्ता, रमेश दादा, रमेश कुशवाहा ने थानेदार के पास दी, थानेदार ने सभा में भाग लेने वालों सभी जनता की सुरक्षा देने के बजाये हमलावरों के पक्ष में ही लाटी प्रहार किया। लाठी प्रहार के बाद रमेश नामक कार्यकर्ता की मृत्यु हो गयी। हमलावरों के बजाय वहां के किसान सभा के कार्यकर्ता रमेश यादव , रमेश कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया। हम सरकार से मांग करते है कि इसकी उच्च स्तरीय जांच करायी जाय।

(व्यवधान)

श्री अवध बिहारी चौधरी :- अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही गंभीर मामला है, आई०पी०एफ० के लोगों ने पुलिस का राईफल छीन लिया है, पुलिस को पीटा हे, इसलिये इसकी जांच सी०बी०आई० से करायी जाय।

श्री गोरख राम :- अध्यक्ष महोदय, मुझको इस संबंध में पूरी जानकारी है, बरकामांझी, कबीरपुर और रायनहाता में आई०पी०एफ० के लोगों ने प्रदर्शन के नाम पर वहां के गरीब लोगों को बहकाया, नारा लगाकर लोगों को भड़काया गया। उसी समय पश्चिम से पुलिस बल आ रही थी जिसमें पुलिस के सब इन्सपेक्टर राजेश्वर महतो और व्यास राम भी आ रहे थे, उनको आई०पी०एफ० वालों ने पीटा और उनसे पांच राईफले छीन ली। जब वहां की पुलिस मैरवा चली आयी तो आई०पी०एफ० के लोग मैरवा पुलिस स्टेशन को कबीरपुर से 9 मि०मी० है तक प्रदर्शन करते आये और थाना का इन्होंने घेराव कर लिया। तब पुलिस सब इन्सपेक्टर जो थाना प्रभारी भी थे, एस०पी० को फोन से कहा कि पुलिस पर रोड़ा चला रहे हैं, बम फेकने की कोशिश कर रहे हैं एस०पी० वहां आये और मात्र वहां लाठी चार्ज करने का आदेश दिया। मैं इसके लिये पुलिस के एस०पी० की तारीफ करता हूँ जिन्होंने पुलिस से राईफल छीनने, पुलिस को मार-पीट करने और पुलिस पर रोड़ा ,बम चलाने के बावजूद भी एस०पी० ने सिर्फ लाठी चार्ज का आदेश दियां उसमें सिर्फ एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है, जिनका नाम राम

नरेश राम है। इनकी मृत्यु सिवान में 8 बजे रात को हुई। इसलिये अध्यक्ष महोदय, आपसे गुजारीश है कि पुलिस से जो राईफल छीनी गई है, पुलिस को जो पीटा गया और बम फेंका गया, उसकी जांच सरकार सी०बी०आई० से कराये.....

(दस अवसर पर कांग्रेस के कुछ सदस्य सदन के वेल में आ गये)

श्री महेन्द्र प्रसाद सिंह :- अध्यक्ष महोदय, सदन में परस्पर विरोधी बातें हो रही हैं, इसलिये इस मामला क़ो जांच सदन की कमिटी बनाकर करायी जाय।

श्री लालू प्रसाद :- अध्यक्ष महोदय, आई०पी०एफ० के लोगों के द्वारा इस तरह की बातें की गई है। यह बात सही है कि होमगार्ड के जवानों से राईफल छीना गया और उस इलाके से लगातार इस तरह की शिकायतें आ रही है। सरकार ने भी निर्णय लिया है कि कानून को कोई भी आदमी या कोई भी संगठन अपने हाथ में लेना चाहेगी तो इसकी इजाजत सरकार नहीं देगी। यह बहुत ही गंभीर मामला है, इसकी गंभीरता को देखते हुये हमने उच्च पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जो भी अपराधी तत्व इस शासन कया प्रशासन का काम रोक रहा हो, पुलिस के राईफल छीनने का का काम करता हो, ऐसे संगठनों ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाय।

(व्यवधान)

महोदय, मैंने सही सदन में घोषणा किया था कि जिन पर गंभीर आरोप

है, उन पर नजर रखी जाय। टाडा के मामले में जब बात आयी पलामू जिला के बारे में तो हमने कहा था कि आन्दोलन का जो रास्ता राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने बताया, उस रास्ते को पकड़ कर कोई संगठन लड़ायी करें, हम उसे नहीं रोकते लेकिन हिसा का सहारा लेकर जो आन्दोलन करना चाहेगा, उस पर हम सख्ती बरतें और जांच करायेंगे। रात में भी इस तरह की सूचना हमें मिली है। हम इसकी जांच करा रहे हैं, सरकार वैसे लोगों का साथ नहीं देगी। अकबरपुर में भी दो बजे से छः बजे तक पुलिस के साथ गोली चली। पुलिस को भी 17 राउन्ड गोली चलानी पड़ी तो मेरा कहना है कि कानून को हाथ में लेकर कोई भी संगठन यदि आंदोलन करना चाहेगी तो हम उसको रोकेंगे। हमने कानून का राज स्वीकार किया है। अगर उसमें कोई लोगों को एक्सप्लाईट करने का काम करेगा, गरीब , हरिजन , भूमिहीनों को एक्सप्लाईट करके नेता लोग गायब हो जायेंगे और गरीब , हरिजन मरेंगे, उसके बाद उनके बाल-बच्चे बिलखते हैं, इसको सरकार स्वीकार नहीं करेगी । आम आंदोलन करें, शांतिपूर्ण ढंग से करें। कानून को साथ लेकर आप आंदोलन करे, इसमें सरकार आपको बाधा नहीं देगी। हमलोग भी गिरफ्तार हुये थे, दो-दो साल तक जेल में रहे कांग्रेस के लोग भी आये और उन्होंने भी आंदोलन किया।

श्री लालू प्रसाद :- लेकिन रायफल छीन लेना, पुलिस पर हमला करना, किसानों पर हमला करना, गरीब आदमियों पर हमला करना, इससे कोई नतीजा और उपलबिध नहीं होती है। बल्कि जब भी मारे जाते हैं गरीब और लाचार

आदम मारे जाते हैं, किसान मारे जाते हैं गरीब और लाचार आदमी मारे जाते हैं, किसान मारे जा रहे हें हमारे गांवों में आप सुझाव दें, आप बतायें कि वहां कितनी जमीन पड़ी हुई हे, उस जमीन को बांअने का हम फैसला लेगे, इसमें कहां विवाद है। अगर सरकार इसमें कोई कोताही करे तो बात समझ में आ सकती है। अध्यक्ष महोदय, इसलिए हमने निर्देश दिया है, हम जांच का आदेश दे चुके हैं और हम सुझाव देना चाहते हैं और गरीब लोग से अपील करना चाहते हैं, हमलोग आपसे ज्यादा क्रांतिकारी हैं, ज्यादा परिवर्तनकारी हैं, इसलिए महोदय, अगर हम हिंसा का सहारा लिये होते, हम बन्दुक चलाये होते, गोली चलायी होती तो शायद हम यहां नहीं आते। यह जो अहिंसक तरीका है, जो लड़ाई का तौर-तरीका है, उसे गाँधी जी ने बताया है और जिसे दुनिया से स्वीकार किया, इसलिए हम ऐसे तबके को सुझाव देना चाहते हैं महेन्द्र जी और अन्य साथियों को सुझाव देनाा चाहता हूँ जब संसदीय जनतंत्र को कबुा है, जो लड़ाई लड़कर यहां आये हैं और जब चुनकर यहां आये हैं तो आप अहिंसक रास्ता अपनाइए, इसी में आपकी जीत है, इसी में आपकी लड़ाई है। इस मामले को गंभीरता से हम जांच करायेंगे और जरूरत पड़ेगा तो इसको हम सदन में भी रख देंगे।

अध्यक्ष :- अब सभा की कार्यवाही 2.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है।

(अन्तराल)

कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनाएँ

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय, ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष :- श्री मुनेश्वर प्रसाद सिंह ने यह शिकायत की हैं कि समाचार पत्रों में उनको उंडीपेंडेंट लिख दिया जाता है हालांकि ये सोशलिस्ट लोहिया पार्टी के हैं।

अब वित्तीय -कार्य लिये आयेंगे।

वित्तीय-कार्य : वर्ष १९९२-९३ के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों के मांगो पर मतदान : ग्रामीण विकास एवं भूमि सुधार विभाग ।

श्री गणेश प्रसाद यादव :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि:-

"ग्रामीण विकास एवं भूमि सुधार विभाग" के संबंध में 31 मार्च, 1993 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान में जो व्यय होगा, उसकी पूर्ति के लिए 8,41,13,61,000/- (आठ अरब, एकतालीस करोड, तेरह लाख, एकसठ हजार रुपये) से अनधिक राशि प्रदान की जाय।"

यह प्रस्ताव राज्यपाल को सिफारिश पर किया गया है।

अध्यक्ष :- इसमें जेनरल नेचर का जो कटौती प्रस्ताव है जिसमें सभी माननीय सदस्य विचार-विमर्श कर सकते हैं, उसको मैं लेता हूँ। श्री राजो सिंह,